

सुविचार

गुरसे में कमी गलत मत बोलो,
मूड तो ठीक ही ही जाता है,
पर बोली हुई बातें वापस नहीं
आती !

तजा लकड़ी के लिए देखा



रांची का तापमान

अधिकतम 27° न्यूनतम 23°



विषय न्यूज

प्रधानमंत्री ने नुआखाई जुहार पर
दी शुभकामनाएं

नई दिल्ली : प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी ने बुधवार को नुआखाई जुहार पर शुभकामनाएं दी। उन्होंने इसे देखे के मौके नीति किसानों के प्रति आधार व्यक्त करने का अवकाश दिया। प्रधानमंत्री ने एकस पर पोस्ट में लिखा कि नुआखाई पर बधाई, यह हमारो किसानों की कड़ी मेहनत की सराहना करने का अवसर है। मैं सभी की खुशी और कल्पाणा के लिए प्रार्थना करता हूं। नुआखाई जुहार।

असम में लगाये गये एक करोड़ से अधिक वृक्ष

गुवाहाटी : असम में एक करोड़ से अधिक वृक्ष संसर्व समाज में सोशल मीडिया के जरूर कहा कि असम वृक्ष अदोलन असम सरकार द्वारा राज्य में वृक्ष अवकाश बढ़ाने और वृक्ष अर्थव्यवस्था को विकसित करने के उद्देश्य से किया गया। यह उद्घाटनीय पहलों में से एक है। इस कार्यक्रम के तहत अब तक राज्य भूमि में 1 करोड़ से अधिक पौधे लगाए गए हैं। मैं (मुख्यमंत्री) असम के लोगों को ऊंके सहयोग और सक्रिय भागीदारी के लिए तो तो दिल से धन्यवाद और आभार व्यक्त करना चाहता हूं।

मनीष रिसोर्टिया कोर्ट में हुए पेश

नई दिल्ली : दिल्ली अवकाशी घायला के सीधीआई से जुड़े मामले में दिल्ली के पूर्व उप-मुख्यमंत्री मनीष रिसोर्टिया बुधवार को राज्य एवन्यू कोर्ट में पेश हुए। कोटे ने सीधीआई को चार्जशीट देने जारी रखा। बुधवार को करीब 60 संसदीयों ने भाग लिया। इस दैनिक जालावाह के विपक्षी पार्टीयों ने संसद और विधानसभा में महिलाओं को 33 प्रतिशत आरक्षण देने वाले इस बिल का समर्थन किया, साथ ही इसे जल्द लागू करने और औबीसी कोटा शामिल करने की मांग की। वहीं सरकार ने इसे बड़ा कदम बताते हुए कहा कि जनगणना और परिस्थिति जस्ती है। बिल पर चर्चा के दैरान विपक्ष के दावों के केंद्रीय गृहमंत्री अमित शाह की राज्यपाल के पूर्व अध्यक्ष महिलाओं को एक तिहाई आरक्षण समर्थन अन्य नेताओं ने जावाब दिया। वहीं विपक्ष की तरफ से कार्यपाल की पूर्व अध्यक्ष सोनिया गांधी ने चर्चा की शुरूआत की। इसके बाद एनसीपी की सांसद सुप्रिया सुरे, समाजवादी पार्टी की सांसद डिप्लोमायादव, डीएमके सांसद कनिमोझी और टीएमसी सांसद महुआ मोंजिता समेत कई महिला विपक्षी संसदीयों ने सरकार पर निशाना साधा। राहुल गांधी ने भी इस बिल पर अपनी बात रखी, उन्होंने इसका समर्थन किया। साथ ही मोदी सरकार पर निशाना साधा। बुधवार को आरपीट ढल का आरपीट बनाया गया। बुधी बाबू तेलगांव के मुख्यमंत्री के सीधी राहीं की बेंदी के सीधी रह चुके हैं। सिसोदिया को सीधीआई ने 26 फरवरी को गिरफतार किया था।

इंडी ने अवैद्य खनन मामले में वृक्ष यादव के दोनों भाजों को भेजा समन

रांची : प्रवर्तन निदेशालय ने अवैद्य खनन मामले में सांस्कारिक के गोरा संजय और काला संजय को एक नया समन जारी किया है। इंडी ने उन्हें सांस्कारिक के अवैद्य खनन मामले में 27 सितंबर को इंडी के गोरा जोनल स्थित क्षेत्रीय कार्यालय में उपस्थित होने के लिए इसमें पहले भी इंडी ने दोनों को पूछताछ करा कि आग तरफ से रिशेदोंरे ने किया है। इंडी ने बैठक खातों के द्वारें जेनेशन से जुड़े साक्ष्य और निवेश की जानकारी जुटाई है। ऐसी आवार पर दोनों को इंडी ने समन किया है।

मणिपुर में भारी मात्रा में हथियार

और गोला-बारूद बरामद

इंफाल : असां मणिपुर में अवैद्य आपेयांश्चों के खिलाफ पुलिस का अधिनियम लापातार जारी है। मणिपुर पुलिस ने आज बताया है कि अधिनियम के तहत पुलिस ने मंत्रिलवार को राज्य के कई हिस्सों में छोपमारी की। अधिनियम के दौरान सुरक्षा बलों ने मणिपुर के बिण्पुर, चुराचांपुर और थोबल जिलों के विभिन्न इलाकों में छोपमारी के दौरान भारी मात्रा में हथियार और गोला-बारूद सहित भारी मात्रा में विस्फोटक सामग्री बरामद की। मणिपुर पुलिस के अनुसार, अधिनियम के दौरान थोबल जिले से दो बंदकें, 15 गोलायां और तीन शक्तिशाली बम बरामद किए गए। इन हथियारों और विस्फोटकों को बाद में जल्द कर लिया गया।

कृषि के विकास में प्रसंस्करण संस्थान ने निभाई महत्वपूर्ण भूमिका : राज्यपाल

प्रभात मंत्र संवाददाता

रांची : राज्यपाल सीधी अधिकारी कहा कि राशीय कृषि उच्चतर प्रसंस्करण संस्थान ने हमारे देश में कृषि विकास को दिखा देने में महत्वपूर्ण भूमिका निभाई है। इस संस्थान के जरिये विकासित किया गया है, बल्कि इसने लाह उत्पादकों और प्रयासों से ही संभव हो सका। कृषि के प्रति उनकी अटूट प्रतिबद्धता के कारण कई सफलताएं और प्रगति हुई है। राज्यपाल संस्थान के जरिये विकासित कृषियों के 80 प्रतिशत से अधिक लाभार्थी छेतानगपुर क्षेत्र के 100वें गोबं और सीमांत जनजातीय

स्थाना दिवस में बतौर मुख्य अधिकारी उन्होंने कहा कि संस्थान के जरिये न केवल पर्यावरण और नए जेबान पौधों का उपयोग करके कुसुमी तात्त्व की लाज की खेती, संग्रह एवं प्रसंस्करण के महत्वपूर्ण भूमिका निभाई है।

आईसीआर-एसीआईएसए की सफलता इसके वैज्ञानिकों, शोधकर्ताओं और कर्मियों के समर्पित प्रयासों से ही संभव हो सका। कृषि के प्रति उनकी अटूट प्रतिबद्धता के कारण कई सफलताएं और प्रगति हुई है। राज्यपाल संस्थान के जरिये विकासित कृषियों के 80 प्रतिशत से अधिक लाभार्थी छेतानगपुर क्षेत्र के गोबं और सीमांत जनजातीय



किसान हैं। उन्होंने हर्ष प्रकट करते हुए कहा कि विगत 99 वर्षों में संस्थान की ओर से विभिन्न कार्यक्रमों के माध्यम से प्रत्यक्ष और अप्रत्यक्ष रूप से 10 लाख से अधिक व्यक्तियों को कौशल प्रदान

कर उनके सामाजिक-आर्थिक उत्पादकता बढ़ाने के लिए प्रयास करना सराहनीय है। राज्यपाल ने कहा कि आज हमारा देश कच्चे लाह के उत्पादन के लिए निरंतर प्रयासरत है। इसके लिए किसानों को दिलीयक कृषि पद्धतियों का उपयोग करना चाहिए।

उन्होंने आज हमारा देश कच्चे लाह के उत्पादन के लिए निरंतर प्रयासरत है। इसके लिए किसानों को दिलीयक कृषि पद्धतियों का उपयोग करना चाहिए।

उन्होंने आज हमारा देश कच्चे लाह के उत्पादन के लिए निरंतर प्रयासरत है। इसके लिए किसानों को दिलीयक कृषि पद्धतियों का उपयोग करना चाहिए।

उन्होंने आज हमारा देश कच्चे लाह के उत्पादन के लिए निरंतर प्रयासरत है। इसके लिए किसानों को दिलीयक कृषि पद्धतियों का उपयोग करना चाहिए।

उन्होंने आज हमारा देश कच्चे लाह के उत्पादन के लिए निरंतर प्रयासरत है। इसके लिए किसानों को दिलीयक कृषि पद्धतियों का उपयोग करना चाहिए।

उन्होंने आज हमारा देश कच्चे लाह के उत्पादन के लिए निरंतर प्रयासरत है। इसके लिए किसानों को दिलीयक कृषि पद्धतियों का उपयोग करना चाहिए।

उन्होंने आज हमारा देश कच्चे लाह के उत्पादन के लिए निरंतर प्रयासरत है। इसके लिए किसानों को दिलीयक कृषि पद्धतियों का उपयोग करना चाहिए।

उन्होंने आज हमारा देश कच्चे लाह के उत्पादन के लिए निरंतर प्रयासरत है। इसके लिए किसानों को दिलीयक कृषि पद्धतियों का उपयोग करना चाहिए।

उन्होंने आज हमारा देश कच्चे लाह के उत्पादन के लिए निरंतर प्रयासरत है। इसके लिए किसानों को दिलीयक कृषि पद्धतियों का उपयोग करना चाहिए।

उन्होंने आज हमारा देश कच्चे लाह के उत्पादन के लिए निरंतर प्रयासरत है। इसके लिए किसानों को दिलीयक कृषि पद्धतियों का उपयोग करना चाहिए।

उन्होंने आज हमारा देश कच्चे लाह के उत्पादन के लिए निरंतर प्रयासरत है। इसके लिए किसानों को दिलीयक कृषि पद्धतियों का उपयोग करना चाहिए।

उन्होंने आज हमारा देश कच्चे लाह के उत्पादन के लिए निरंतर प्रयासरत है। इसके लिए किसानों को दिलीयक कृषि पद्धतियों का उपयोग करना चाहिए।

उन्होंने आज हमारा देश कच्चे लाह के उत्पादन के लिए निरंतर प्रयासरत है। इसके लिए किसानों को दिलीयक कृषि पद्धतियों का उपयोग करना चाहिए।

उन्होंने आज हमारा देश कच्चे लाह के उत्पादन के लिए निरंतर प्रयासरत है। इसके लिए किसानों को दिलीयक कृषि पद्धतियों का उपयोग करना चाहिए।

उन्होंने आज हमारा देश कच्चे लाह के उत्पादन के लिए निरंतर प्रयासरत है। इसके लिए किसानों को दिलीयक कृषि पद्धतियों का उपयोग करना चाहिए।

उन्होंने आज हमारा देश कच्चे लाह के उत्पादन के लिए निरंतर प्रयासरत है। इसके लिए किसानों को दिलीयक कृषि पद्धतियों का उपयोग करना चाहिए।

संस्कृत विद्यालय के लिए

